तैयारी सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश तलाशने ताइवान में 2-4 तक सेमीकॉन-2026 में जाएगा यूपी का प्रतिनिधिमंडल

फॉक्सकॉन के बाद अब सप्लाई चेन पर नज़र

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

सेमीकंडक्टर सेक्टर की अग्रणी कंपनी फॉक्सकॉन के निवेश के बाद अब यूपी सरकार दुनिया दूसरी बड़ी कंपनियों को यूपी में निवेश करने के लिए आमंत्रित करेगी। सेमीकंडक्टर सेक्टर में निवेश की संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार यूपी को सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए यूपी सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल ताइवान जाएगा। यह प्रतिनिधिमंडल ताइवान में होने वाले सेमीकॉन-2026 में भाग लेगा और दुनिया की बड़ी कंपनियों को यूपी में निवेश के लिए आमंत्रित करेगा। सरकार का पूरा जोर सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए सप्लाई चेन विकसित करना है।

सेमीकॉन-2026 से 2 से 4 सितंबर तक ताइवान यात्रा पर जाने वाले दल में आलोक कुमार प्रमुख सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रेरणा शर्मा अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इन्वेस्ट यूपी और मनीष मीना अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यीडा शामिल होंगे। यह प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर से सेमीकॉन में आने वाली सेमीकंडक्टर सेक्टर की कंपनियों को यूपी में निवेश की संभावनाओं के बारे में बताएगा। साथ ही सेमीकंडक्टर सेक्टर की कंपनियों के लिए यूपी कैसे मुफीद है, इसकी जानकारी भी निवेशकों को दी जाएगी।

ताइवान मौजूदा समय में सेमीकंडक्टर, प्रिसीजन इंजिनियरिंग और हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग का वैश्विक केंद्र माना जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार का मानना है कि राज्य में विकसित हो रहा औद्योगिक ढांचा, एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, बेहतर कनेक्टिविटी और निवेश अनुकूल नीतियां ताइवानी कंपनियों को आकर्षित कर सकती हैं।

फॉक्सकॉन-एचसीएल के साथ मिलकर यूपी में कर रही निवेश

मौजूदा समय मे सेमीकंडक्टर सेक्टर की बड़ी कंपनी फॉक्सकॉन-एचसीएल के साथ मिलकर यूपी मे निवेश कर रही है। जानकारों का मानना है कि यदि ताइवान की सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनिया उत्तर प्रदेश मे उत्पादन इकाइया स्थापित करती है तो इसका सबसे अधिक लाभ यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र, नोएडा-ग्रेटर नोएडा इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर और प्रस्तावित सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मिलेगा। इससे उच्च तकनीक वाले रोजगार सृजित होंगे, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी और राज्य को देश के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप मे स्थापित करने में मदद मिलेगी।